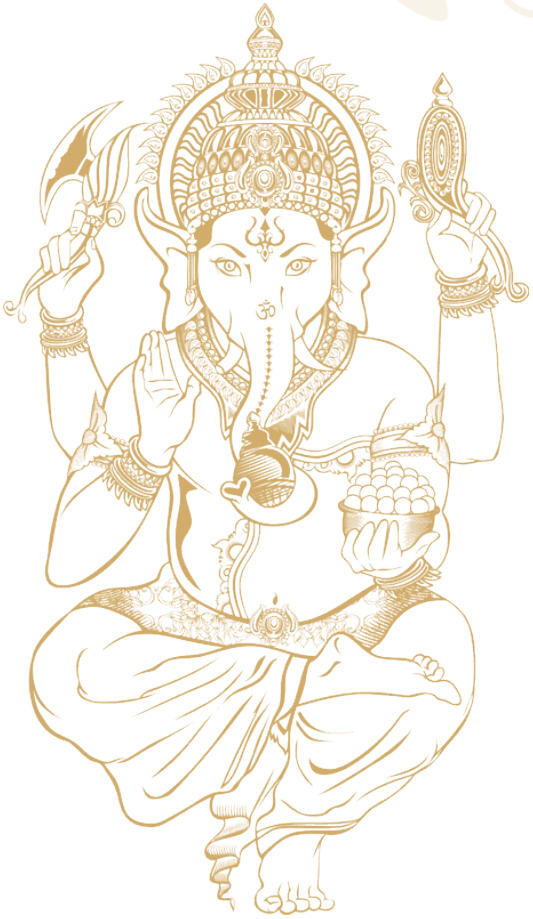

Sunny

16 Apr 1985

08:15 PM

Meerut

Model: web-freekundliweb

Order No: 121894804

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**16/04/1985**
दिन	मंगलवार
जन्म समय	**20:15:00 घंटे**
इष्ट	35:55:16 घटी
स्थान	**Meerut**
राज्य	Uttar Pradesh
देश	India

अक्षांश	29:00:00 उत्तर
रेखांश	77:42:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:19:12 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	19:55:48 घंटे
वेलान्तर	00:00:10 घंटे
साम्पातिक काल	09:34:34 घंटे
सूर्योदय	05:52:53 घंटे
सूर्यास्त	18:45:43 घंटे
दिनमान	12:52:49 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	वसन्त
सूर्य के अंश	02:54:12 मेष
लग्न के अंश	22:50:26 तुला

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	तुला - शुक्र
राशि-स्वामी	**कुम्भ - शनि**
नक्षत्र-चरण	**पू०भाद्रपद - 2**
नक्षत्र स्वामी	गुरु
योग	ब्रह्म
करण	तैतिल
गण	मनुष्य
योनि	सिंह
नाड़ी	आद्य
वर्ण	शूद्र
वश्य	मानव
वर्ग	मेष
युँजा	अन्त्य
हंसक	वायु
जन्म नामाक्षर	सो-सोमनाथ
पाया(राशि-नक्षत्र)	रजत - लौह
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मेष

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			तुला	22:50:26	306:52:49	विशाखा	1	16	शुक्र	गुरु	शनि	---
सूर्य			मेष	02:54:12	00:58:42	अश्विनी	1	1	मंगल	केतु	शुक्र	उच्च राशि
चंद्र			कुंभ	23:38:08	12:00:16	पू०भाद्रपद	2	25	शनि	गुरु	शनि	सम राशि
मंगल			मेष	29:31:09	00:42:11	कृतिका	1	3	मंगल	सूर्य	राहु	स्वराशि
बुध	व		मीन	13:05:32	00:03:10	उ०भाद्रपद	3	26	गुरु	शनि	राहु	नीच राशि
गुरु			मक	19:42:17	00:08:18	श्रवण	3	22	शनि	चंद्र	केतु	नीच राशि
शुक्र	व		मीन	13:46:02	00:20:11	उ०भाद्रपद	4	26	गुरु	शनि	राहु	उच्च राशि
शनि	व		वृश्चि	03:12:32	00:03:32	विशाखा	4	16	मंगल	गुरु	राहु	शत्रु राशि
राहु	व		मेष	24:41:39	00:03:23	भरणी	4	2	मंगल	शुक्र	बुध	शत्रु राशि
केतु	व		तुला	24:41:39	00:03:23	विशाखा	2	16	शुक्र	गुरु	बुध	सम राशि
हर्ष	व		वृश्चि	24:04:50	00:01:13	ज्येष्ठा	3	18	मंगल	बुध	मंगल	---
नेप	व		धनु	09:56:00	00:00:22	मूल	3	19	गुरु	केतु	शनि	---
प्लूटो	व		तुला	09:54:35	00:01:41	स्वाति	1	15	शुक्र	राहु	गुरु	---
दशम भाव			कर्क	27:36:17	--	आश्लेषा	--	9	चंद्र	बुध	गुरु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:38:52

लग्न-चलित

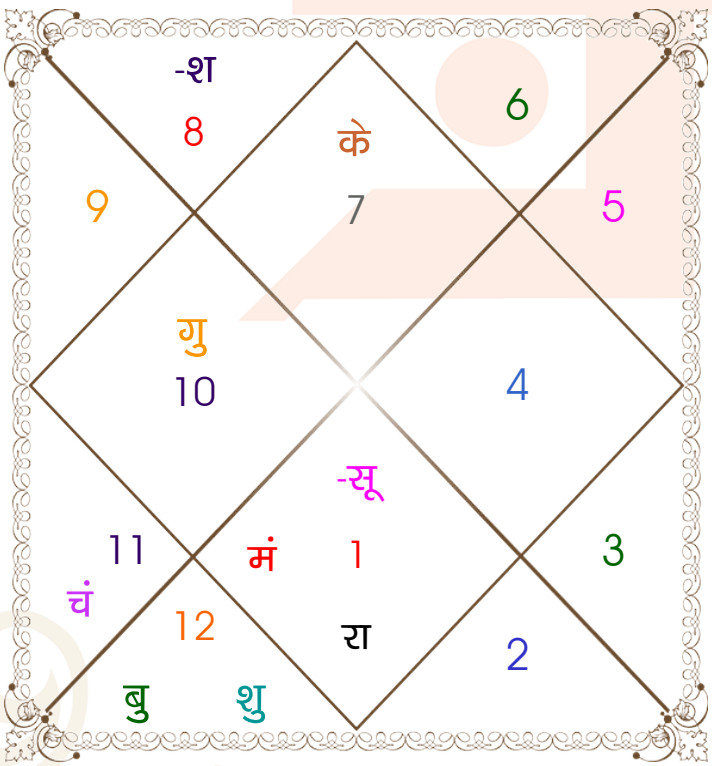

चन्द्र कुंडली

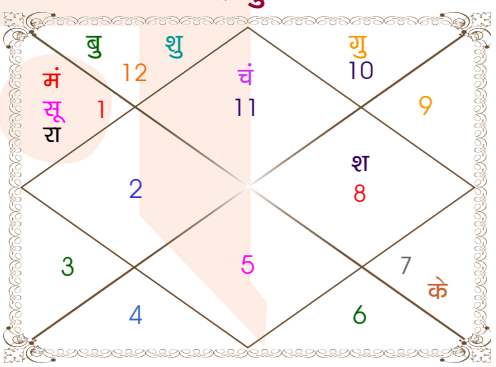

नवमांश कुंडली

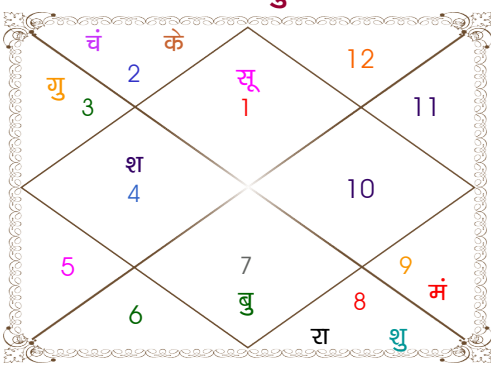

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : गुरु 11 वर्ष 7 मास 19 दिन

गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष	
16/04/1985		05/12/1996		06/12/2015		05/12/2032		06/12/2039	
05/12/1996		06/12/2015		05/12/2032		06/12/2039		06/12/2059	
	16/04/1985	शनि	09/12/1999	बुध	03/05/2018	केतु	03/05/2033	शुक्र	06/04/2043
शनि	05/08/1985	बुध	18/08/2002	केतु	30/04/2019	शुक्र	03/07/2034	सूर्य	05/04/2044
बुध	11/11/1987	केतु	27/09/2003	शुक्र	28/02/2022	सूर्य	08/11/2034	चंद्र	05/12/2045
केतु	17/10/1988	शुक्र	26/11/2006	सूर्य	05/01/2023	चंद्र	09/06/2035	मंगल	04/02/2047
शुक्र	18/06/1991	सूर्य	08/11/2007	चंद्र	05/06/2024	मंगल	05/11/2035	राहु	04/02/2050
सूर्य	05/04/1992	चंद्र	09/06/2009	मंगल	02/06/2025	राहु	23/11/2036	गुरु	05/10/2052
चंद्र	05/08/1993	मंगल	18/07/2010	राहु	21/12/2027	गुरु	30/10/2037	शनि	06/12/2055
मंगल	12/07/1994	राहु	24/05/2013	गुरु	28/03/2030	शनि	08/12/2038	बुध	05/10/2058
राहु	05/12/1996	गुरु	06/12/2015	शनि	05/12/2032	बुध	06/12/2039	केतु	06/12/2059

सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष	
06/12/2059		05/12/2065		06/12/2075		05/12/2082		06/12/2100	
05/12/2065		06/12/2075		05/12/2082		06/12/2100		00/00/0000	
सूर्य	24/03/2060	चंद्र	05/10/2066	मंगल	03/05/2076	राहु	18/08/2085	गुरु	24/01/2103
चंद्र	23/09/2060	मंगल	07/05/2067	राहु	21/05/2077	गुरु	11/01/2088	शनि	17/04/2105
मंगल	29/01/2061	राहु	04/11/2068	गुरु	27/04/2078	शनि	17/11/2090		00/00/0000
राहु	23/12/2061	गुरु	06/03/2070	शनि	06/06/2079	बुध	05/06/2093		00/00/0000
गुरु	12/10/2062	शनि	06/10/2071	बुध	02/06/2080	केतु	24/06/2094		00/00/0000
शनि	24/09/2063	बुध	06/03/2073	केतु	29/10/2080	शुक्र	24/06/2097		00/00/0000
बुध	30/07/2064	केतु	05/10/2073	शुक्र	29/12/2081	सूर्य	18/05/2098		00/00/0000
केतु	05/12/2064	शुक्र	06/06/2075	सूर्य	06/05/2082	चंद्र	17/11/2099		00/00/0000
शुक्र	05/12/2065	सूर्य	06/12/2075	चंद्र	05/12/2082	मंगल	06/12/2100		00/00/0000

- ❖ उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल गुरु 11 वर्ष 7 मा 26 दि होता है।
- ❖ उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म विश्वाखा नक्षत्र के प्रथम चरण में तुला लग्नोदय काल हुआ था। तुला लग्न के संयोजन से मेदिनीय क्षितिज पर जन्मकाल मेष नवमांश एवं मिथुन द्रेष्काण से यह स्मरणीय है कि आप अत्यंत आलसी प्रवृति के प्राणी हैं। इसके प्रभाव से यह भी स्पष्ट है कि आपका भविष्य ईश्वर की अनुकंपा से सांसारिक सुखों से युक्त एवं आप विलासप्रिय जीवन व्यतीत करेंगे।

आप धन संचित करने के लिए अन्य की अपेक्षा अति अनुकूल तरीके से प्रस्तुत होंगे। इस बात से यह भी स्पष्ट है कि आपमें धनोपार्जन की सभी दाव पेंच विद्यमान है। साथ ही आप दो पक्ष को कलह की स्थिति में लाकर अपना लाभ प्राप्त करेंगे। आप मुख्य रूप से अपनी आयु के प्रथम 21 वें वर्ष से 38 वें वर्ष तक 34 वे वर्ष के समयावधि में बहुत धन उपार्जन करेंगे।

आप अनुचित तरीके से बहुसंख्यक व्यक्तियों पर अहंकार की भावना से अधीर होकर आक्रमणकारी रूख आपना कर उसे तंग करने की प्रवृति रखेंगे। अधिकांश व्यक्ति जो आपके संपर्क में आएंगे वे आपकी बचकाना आचरण से अप्रसन्न रह कर आपके शत्रु बन जाएंगे। परंतु आपको अपनी चारित्रिक उच्चता हेतु उत्तम यह है कि आप शक्ति सम्पन्नता प्राप्त करें। अर्थात् मानवीय शक्ति संग्रह करें। तथापि वे लोग आपके स्थायी शत्रु बन ही जाएंगे।

आपका संदिग्ध चरित्र आपकी प्रभावशाली छवि को बेनकाव कर आपको बहुचर्चित एवं कुख्यात प्रदर्शित करेगा। आप धैर्यपूर्वक अपने व्यवहार को नीति पूर्ण बनाकर व्यवहारणीय बनाएं। अन्यथा आपकी समस्त धारणा कलुषित प्रमाणित होगी।

यदि आपकी ऐसी अभिलाषा है कि आप अपने घरेलू वातावरण एवं अपने परिवारिक जीवन को सुव्यवस्थित रखें तो सदा सर्वदा के लिए कुटनीतिज्ञ तरीके का संपादन करना अनुकूल होगा।

संप्रति आप अति वासना प्रिय व्यक्ति हैं। आप अपने जीवन संगिनी की सभी आवश्यकताओं की पूर्ति नहीं कर सके तथा वातावरण छिन्न भिन्न रहा तो आप संतुष्ट तथा प्रसन्न नहीं रहेंगे। आप सावधानी पूर्वक पारिवारिक एवं घरेलू जीवन प्रसन्नतापूर्वक व्यतीत हो सकता है।

आपकी पत्नी आपको सदैव अच्छी प्रकार से प्रसन्न रखेगी तथा ऐसी आशा है कि आप सदैव अच्छी संतानों का सुख प्राप्त करेंगे।

आप निरंतर कुशलता पूर्वक सक्रिय रहने वाले प्राणी हैं। आप धनोपार्जन हेतु पूर्ण रूपेण लक्ष्य के प्रति समर्पित होकर अनेक यात्रा करेंगे। आप असामयिक भोजन एवं मद्य पान एवं अति भोजन के कुप्रभाव से कुछ समय के पश्चात आपके उत्तम स्वास्थ्य को प्रभावित कर देगा। आप यदि ऐसा चाहते हैं कि भविष्य में संभावित रोग यथा ट्यूमर, रक्त प्रवाह की न्यूनता संबंधी आदि रोगों से मुक्त रहें तथा मस्तिष्क रोग एवं मूत्र संबंधी रोग की परेशानी से

वंचित रहें तो खान-पान के संबंध में सतर्कता पूर्वक आचरण करें।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन शनिवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। बुधवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

आप अंकों में 3, 5, 6 एवं 9 अंक को छोड़कर 1, 2, 4 एवं 7 अंक का व्यवहार करें क्योंकि ये अंक अनुकूल फलदायी है।

आप रंगों में लाल, नारंगी एवं सफेद रंग को धारण करें तथा रंग पीला एवं हरा रंग आपके लिए त्याज्य हैं।